भिवानी परिवार मैत्री संघ (पंजी.) का न्यूज लेटर

BPMS NEWS

सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

विक्रम सम्वत् - 2078 ● मासिक पत्र : जून 2021 ● पृष्ठ : 4 ● दिल्ली

भिवानी परिवार मैत्री संघ की आपदा राहत समिति

'कोविड के समंदर में तिनके का सहारा'

साथियों जैसा की आपकी जानकारी में है कि अप्रैल के महीने में कोरोना ने दिल्ली, हरियाणा और पूरे उत्तर भारत को विशेष रूप से अपने आगोश में ले लिया था। ये महामारी का रूप तो वैसे हमारे देश मे फरवरी से ही शुरू हो गया था लेकिन अप्रैल में पूरे विकराल रूप में भारत में छा गया था और ये इतने विकराल रूप में आएगा और अपना स्वरूप बदल कर आएगा ये शायद सरकार, डॉक्टर या मेडिकल लाइन में भी किसी को अंदाजा नहीं था। ऐसी आपदा के समय जो कि अचानक आ पड़ी हो समाज में सभी लोगों को मिलजुलकर ही इसका मुकाबला करना होता है। तो जब तक समाज इक्ठा नहीं होता तब तक ऐसी आपदाओ से लड़ना संभव नहीं होता। अपनी इसी जिम्मेवारी को समझते हुये भिवानी परिवार मैत्री संघ की आपदा राहत समिति ने इस पर तुरंत प्रधान श्री राजेश चेतन जी से विचार विमर्श करके अपना काम शुरू किया। सब जानते हैं कि कोरोना महामारी इस तरह की महामारी थी कि जिसमें प्रत्यक्ष रूप से स्वयं का जाना, लोगों का एक दूसरे से मिलना-जुलना संभव नहीं था। इसीलिए इस युद्ध से लड़ने का तरीका भी अलग था। इसके लिए भिवानी परिवार मैत्री संघ की आपदा राहत समिति ने इसके लिए एक रणनीति बनाई और 'जान है तो जहान है' वाली बात को ध्यान में रखते हुये लोगों की जान बचाने और आवश्यकता के अनुसार कार्य किया गया। ऑक्सिजन की त्राहि-त्राहि, हॉस्पिटल में बेड की उपलब्धता, खाने की दिक्कत, लोगों को दवाइयों की उपलब्धता, आक्सीजन कंसन्ट्रेटर की मदद, ऑक्सिजन सिलिंडर भरवाने की दिक्कत, डॉक्टर कंसलटेशन, प्लाज़मा की दिक्कत हो या एम्ब्युलेन्स की दिक्कत हो। ये सब जो विषय आए उसको लेकर आपदा राहत समिति के अंतर्गत 7 समितियां गठित की गईं जिनके संयोजक नियुक्त किए गए, उनको 24x7 इस काम की जानकारी दी गई। आपस में जितनी जानकारी आस पास से, लोगों से बात करके या कैसे भी मिल सकती थी वो इन लोगों ने इक्ठा की और अपने घरों में ही रहते हुये इस पर कार्य किया गया और सभी सदस्यों तक ये जानकारी पहुंचाई गई कि संस्था द्वारा ये हेल्पलाइन बनाई गई है जिसमें आप अपनी किसी भी तकलीफ को साझा कर सकते हैं और संस्था द्वारा हर संभव तरीके से मदद करने का प्रयास किया जाएगा। इस हेल्पलाइन का कार्य बस इतना ही था की जिसको जो आवश्यकता होती हम संबन्धित व्यक्ति तक वो पहुंचा देते थे। सभी समितियों के सदस्यों के नंबर भी संस्था के सभी सदस्यों तक वॉट्सअप के जरिये पहुंचाए गए। क्योंकि जैसे की आपकी जानकारी में भी होगा कि पिछले कुछ समय से एस.एम.एस. सिस्टम काम नहीं कर रहा है क्योंकि गवर्नमेंट ऑफ इंडिया ने पूरे भारत में सभी एस.एम.एस. पर बंदिशें लगाई हैं कि कोई भी एस.एम.एस. पब्लिश करने से पहले सरकार की मंजूरी लेनी पड़ती है और उससे काफी समय लग जाता है। इसीलिए समाचार भेजने का वॉट्सअप ही एक मात्र जरिया संस्था के पास था। समितियों ने भली प्रकार से अपना काम संभाला और समितियों के संयोजकों के पास जितनी भी आवश्यकतायें आई उन सबका निवारण करने का हर संभव प्रयास किया गया।

ऑक्सीज़न कंसन्ट्रेटर जिस तरीके से भी खरीदे जा सकते थे वो खरीदे गए। प्लाज़मा की जितनी जानकारी थी, फूड के जितने सोर्स थे वो सब बिना किसी शुल्क की परवाह किए अपने सदस्यो के लिए या जिनको भी आवश्यकता थी उनके लिए मौजूद करवाए गए और आपको जानकारी देते हुए हमें इस बात का गर्व महसूस हो रहा है आपकी संस्था के इन प्रयासों से नाजाने कितनी ही अनमोल जिंदगी या बची है। बहुत से लोगों के लिए हॉस्पिटल में बेड उपलब्ध करवाये गए, लोगों को ऑक्सीजन सिलेंडर भरवाने में मदद की गई, दवाइयां उपलब्ध करवाई गई, जिन घरों में खाना बनाने के लिए कोई नहीं था उनके घरों में लगातार 20 दिनों तक 3 समय का खाना भिजवाया गया और ये सब कार्य संस्था द्वारा निस्वार्थ भाव से किये गए। इसके अलावा कुछ संस्थाएं जोकि और क्षेत्रों में, भिवानी में या और दूसरे एरिया में सेवा कार्य कर रही है उन सबको भी भिवानी परिवार मैत्री संघ द्वारा मदद की गई। हिंदुस्तान स्काउट्स एंड गाइड भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एक संस्था है जिसको सरकार द्वारा गाँव-गाँव जाकर सेवा करने का काम सौंपा गया है, उसमें भी उपकरणों की और सामान की आवश्यकता थी उसको भी आपकी संस्था ने काफी हद तक पूर्ण किया है।

जब दिल्ली में ऑक्सीज़न की कमी पूरी होने लगी और छोटे शहरों व गांवों में इस महामारी ने विकराल रूप लेना शुरु कर दिया तब 25 ऑक्सीज़न कंसन्ट्रेटर भिवानी में **श्रीकृष्ण प्रणामी अपना घर आश्रम** में एक कंसन्ट्रेटर बैंक बना कर जरूरतमंदों लोगों की सहायता के लिए ये कंसन्ट्रेटर नि:शुल्क दिये गए। नगर एवं गांव के लोगों ने इसका भरपूर लाभ उठाया।

इन सब प्रयासों को लेकर कोविड का ये चक्रवात जो हमारे यहां आया उससे लड़ने में भिवानी परिवार मैत्री संघ और आपदा राहत समिति ने जितना प्रयास कर सकते थे वो किया है और उसमें बहुत हद तक सफल भी हुए हैं लेकिन फिर भी कहना ये ही है। मानव की बहुत क्षति हुई है, अफसोस उनका है जो नहीं बच पाये या जिनको हम नहीं बचा पाये लेकिन संतुष्टि यही है कि इस समुंदर में तिनके का सहारा ही सही लेकिन आपकी संस्था कुछ लोगों को तो मदद पहुंचा पाई। यही ईश्वर का शुक्र है।

धन्यवाद

24x7 Helpline: Sh. Sunil Bansal 9560073511

Bhiwani Parivar Maitri Sangh, Delhi

BPMS Covid Support Team

Disaster Relief Committee

Sh. Dinesh Gupta- 9810003215
Sh. Sushil Ganotra-9899454931
Sh. Sunil Bansal-9560073511

Support	Contact Person	Contact No	Contact Timing
Doctor Consultation	Sh. Pawan Moda	9350461306-8076806151	9:00Am to 9:00Pm
Medicine Arrangements	Sh. Vinod Devsaria	9810311897-011-41524720	9:00Am to 9:00Pm
Plasma Arrangements	Sh. Sanjay Gupta	9996543802-9811933802	9:00Am to 9:00Pm
Hospital Admission	Sh. Pankaj Gupta	9654909070-9310455956	9:00Am to 9:00Pm
Oxygen Arrangements	Sh. Manish Goel	9811195512-7678483891	9:00Am to 9:00Pm
Food Arrangements	Sh. Vinay Singhal	9999190575-9310090575	9:00Am to 9:00Pm
Oxygen Concentrator	Sh. Sanwarmal Goyal	9990541122-9311470595	9:00Am to 9:00Pm
Transportation & Conveyance	Sh. Sanjay Jain	9810032754-9212232754	9:00Am to 9:00Pm
Lead Verification	Sh. Nathu Ram Jain	9711917855, 9810217855	

President
Sh. Rajesh Chetan-9811048542

General Secretary
Sh. Dinesh Gupta-9810003215

Treasurer
Sh. Sanwarmal Goyal-9990541122

भिवानी परिवार मैत्री संघ (पंजी.) की मुख्य मासिक पत्रिका

BPMS NEWS

सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

सम्पादक

जगत नारायण भारद्वाज

सह-सम्पादक

सुनीता शर्मा व मनीष गोयल

प्रबंध-सम्पादक

सुश्री मंजीत मरवाहा

कार्यालय

भिवानी परिवार मैत्री संघ, पंजीकृत (BPMS)

एफ-6, कोहली प्लाजा, सी यू ब्लॉक, उत्तरी पीतमपुरा, दिल्ली-110034

दूरभाष : 9999305530, E-mail: admin@ebhiwani.com

http://www.ebhiwani.com

भिवानी के लोग

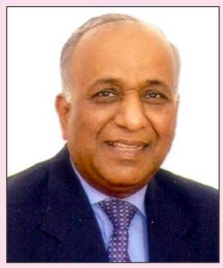

आइये मिलते हैं सांसद श्री एन. डी. गुप्ता से :-

- जन्म 16 अक्टूबर 1945
- हरियाणा के गांव से प्राइमरी शिक्षा, बिरला स्कूल दिल्ली से हाई स्कूल और श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स से बी.काम के बाद CA
- आपके बड़े भाई श्री बी. एस. गुप्ता भिवानी की TIT मिल में मार्केटिंग मैनेजर के रूप में कार्य करते हुये लंबे समय तक भिवानी में रहे और छोटे भाई श्री जय कुमार गुप्ता आज भी भिवानी में रहते हैं। श्री एन.डी. गुप्ता की भिवानी के सांसद चौ. सुरेन्द्र सिंह से गहरी मित्रता थी।
- कई लोकप्रिय पुस्तकों के लेखक।
- 1971 में श्रीमती वीणा गुप्ता से विवाह बंधन में बंधकर नवीन, संध्या और कविता तीन होनहार संतान।
- आपके पुत्र नवीन गुप्ता इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया के उपाध्यक्ष हैं और दामाद श्री अनिल गर्ग IAS अधिकारी और दूसरे दामाद संजय सिंघल IPS अधिकारी हैं।
- पूर्व अध्यक्ष, इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट ऑफ इंडिया
- पूर्व चेयरमैन, मोतीलाल नेहरू नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी।
- प्रथम भारतीय जिसने 176 देशों की इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ एकाउंटेंट्स, अमरीका में बोर्ड सदस्य के रूप में प्रवेश किया।
- ट्रस्टी नेशनल पेंशन फण्ड सिस्टम।
- पूर्व नॉमिनी चेयरमैन, दिल्ली स्टॉक एक्सचेंज।
- हम सांसद और BPMS के आजीवन सदस्यश्री एन.डी. गुप्ता के स्वस्थ दीर्घ जीवन और उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं।

सम्पादकीय

जगत नारायण भारद्वाज

ऐसा माना जाता है कि इतिहास में केवल तिथियां ही सत्य होती हैं घटनाओं को पूर्ण रूप से प्रामाणिक नहीं माना जा सकता। इसके साथ ही साहित्य में तिथियों के अतिरिक्त तत्कालीन सामाजिक परम्पराओं व घटनाओं का सत्यता के साथ वर्णन किया जाता है।

ठाकुर टोडरमल के सुपुत्र ठाकुर चंद्रभान सिंह एक वीर योद्धा व ब्राह्मण भक्त थे। उनकी वीरता भारत भर में प्रसिद्ध थी। कहा जाता है कि एक बार अकबर को रूमस्याम (आज का तुर्की के आसपास का क्षेत्र) के बादशाह ने फरमान भेजा कि भारत से 370 हिंदू देवियों को भेजो अन्यथा युद्ध के लिए तैयार हो जाओ।

अकबर एक नंबर का धूर्त व कायर था। उसने भारत के राजाओं को बुलाकर रूमस्याम के बादशाह का यह गंदा इरादा सुनाया। उस समय के नपुंसक राजाओं ने एक स्वर में कहा कि युद्ध से क्या मिलेगा? अगर देवियों को भेजने से युद्ध टलता है तो देवियों को भेज दिया जाए। बताया जाता है कि अकबर ने इन देवियों को लाने के लिए सलीम को जिम्मा सौंपा।

हांसी के पास उमरा सुल्तानपुर गांव के मायाराम ब्राह्मण की लड़की जिसकी तीन दिन बाद शादी होनी थी, उसे यवन बलात उठा ले गए। वह ब्राह्मण रोता हुआ अनेक राजाओं व राजपूतों के पास गया पर किसी ने भी अकबर से बैर लेना उचित नहीं समझा। तब किसी ने ब्राह्मण मायाराम को बताया कि तुम हालुवास ग्राम के ठाकुर चंद्रभान सिंह से मिलो वे तुम्हारा संकट दूर कर सकते हैं। वह बेचारा घूमते हुए सुबह-सुबह हालुवास ग्राम पंहुचा। एक छरहरा व्यक्ति टूटी जूती पहने हाथ में लोहे की डोली लिए शोचादि के लिए जा रहा था। उससे मायाराम ने पूछा कि मुझे ठाकुर चंद्रभान से मिलना है, वे कहां मिलेंगे? उसने बताया कि मुझे ही चंद्रभान कहते हैं। उस ब्राह्मण ने उसके शरीर को देखकर अपना सिर पकड़ लिया, कहने लगा मेरा संकट तो कोई वीर राजपूत ही दूर कर सकता है। मेरे साथ किसी ने मजाक कर दिया है। ठाकुर चंद्रभान को क्रोध तो आया परन्तु चुप रहकर बोले कि भूदेव आप अपनी बात तो बताओ। तब मायाराम ने बताया कि मेरी बेटी को कुछ दुष्ट लोग उठा ले गए हैं। उसे छुड़वाने के लिए किसी ने बताया है कि यह काम ठाकुर चंद्रभान कर सकते हैं। ठाकुर चंद्रभान ने कहा कि पंडित जी मैं जब तक आपकी लड़की को न छुड़वा लाऊं तब तक गांव में आकर भोजन नहीं करूंगा। यह कहकर गांव के एक ऊंचे स्थान पर से नगारा बजवा दिया और अपने साथ 550 लड़ाके लेकर ठाकुर चल पड़े। उस समय तक यवन लोग डोले लेकर पानीपत के पास पहुंच गए थे। चंद्रभान सिंह ने मायाराम को एक ऊंट पर बैठा कर आगे भेजा और एक झंडी देकरकहा कि अपनी बेटी के डोले पर यह लगा देना, ताकि हम उस डोले को पहचान सके।

शेष अगली बार...

स्मृति शेष

भिवानी परिवार दिवंगत आत्माओं के प्रति श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता है

श्री शंकर शर्मा
29 अप्रैल 2021

श्री सुनील गोयल
30 अप्रैल 2021

श्रीमती सुनीता गुप्ता
30 अप्रैल 2021

श्रीमती वीना गुप्ता
1 मई 2021

श्री प्रमोद कु. अग्रवाल
4 मई 2021

श्री भगवान दास ठाकुर
4 मई 2021

श्रीमती सवीता देवी
5 मई 2021

श्री जगदीश तोशामिया
6 मई 2021

श्रीमती शशी गुप्ता
5 मई 2021

श्री राम कुमार गुप्ता
8 मई 2021

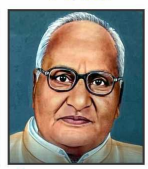

श्री राम नारायण गुप्ता
8 मई 2021

श्री गौरी शंकर गुप्ता
9 मई 2021

श्री कृष्ण कुमार गुप्ता
10 मई 2021

श्री नरेश कुमार मोडा
14 मई 2021

श्री महेश गोयल
15 मई 2021

श्री राजकुमार अग्रवाल
18 मई 2021

श्री सुरेश सिंघल
23 मई 2021

श्री रविन्द्र कु. आंचल
24 मई 2021

श्री आर.सी. जैन
26 मई 2021

श्रीमती स्वीटी गुप्ता
26 मई 2021

श्रीमती शांता रावल
29 मई 2021

जन्मदिन की बधाई एवं शुभकामनाएं

श्री नवीन जयहिन्द
प्रचार मंत्री-बीपीएमएस
10 जून

श्री नरेश मित्तल
संरक्षक सदस्य
11 जून

भिवानी गौरव
श्री हरिओम महाजन
14 जून

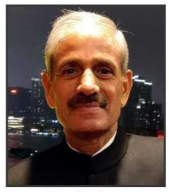

भिवानी गौरव
मेजर जनरल विजय पाल
14 जून

श्री राजकुमार गर्ग
संरक्षक सदस्य
17 जून

भिवानी गौरव
श्री अशोक भारद्वाज
19 जून

श्री पवन अग्रवाल
संरक्षक सदस्य
15 जून

श्री सी.एल. अग्रवाल
संरक्षक सदस्य
17 जून

श्री राधे श्याम गुप्ता
संरक्षक सदस्य
20 जून

भिवानी गौरव
श्री रजनीश नरूला
23 जून

श्री महेन्द्र तायल
संरक्षक सदस्य
26 जून

श्री नितिन गुप्ता
संरक्षक सदस्य
26 जून

भिवानी के साहित्यकार

डॉ. विजेंदर ग़ाफ़िल

भिवानी के मशहूर शर्मा टाइपराइटर वाले परिवार से पंडित कलाधर भारद्वाज जी के सात पुत्रों में से एक है प्रसिद्ध लेखक डॉ. विजेंदर ग़ाफ़िल जी। दस साल मुम्बई फिल्म इंडस्ट्री में एक राइटर के रूप में एवं फिल्म डायरेक्टर के साथ असिस्टेंट के रूप में सहयोग किया और अपनी कर्मभूमि भिवानी में लोट कर साहित्य एवं लेखन के क्षेत्र में लगभग 5 दशकों से हजारों मुशायरों में अपनी शायरी से लोगों के दिलों को जीतने वाले डॉ. विजेंदर ग़ाफ़िल जी की पहली किताब 1969 में 'सिसकिया' नाम से आयी!! गीतों की इस किताब के बाद एक के बाद एक किताब आने का सिलसिला चल रहा है!!

पिता का नाम	:	पं. कलाधर भारद्वाज
माता का नाम	:	श्रीमती शकुंतला देवी
जन्म भूमि	:	सिरसा
कर्मभूमि	:	भिवानी (हरियाणा)
धर्मपत्नी	:	श्रीमती बिमलेश
संतान	:	दो पुत्री-प्रीति, दीप्ति (दोनों इंजीनियर)
शिक्षा	:	एम.ए. इंग्लिश, एम.ए. उर्दू
विशेष	:	विश्व की सबसे लम्बी ग़ज़ल 'ग्यारह हजार तितलियाँ' जिसमें एक रदीफ काफिले से ग्यारह हजार भिन्न विचारों को एक पुस्तक में एकत्रित किया गया।

पुरस्कार एवं मान-सम्मान

साहित्यिक लेखन, पत्रकारिता, रंगमंच और समाजसेवा आदि के लिए प्रशासन व उल्लेखनीय संस्थाओं की ओर से कई सम्मान व मानद उपाधियां प्राप्त, जिनमें से प्रमुख हैं :-

1. शब्दकार सम्मान 'मजलिस' मलाड मुंबई
2. 'साहित्य सम्मान' लायंस क्लब भिवानी
3. 'काव्य-निधि सम्मान' साहित्य सभा, रोहतक एवं अनेक आदि।
4. भिवानी परिवार मैत्री संघ 'पं. माधव मिश्र भिवानी गौरव सम्मान'।

पता : विजेन्दर ग़ाफ़िल, हाउस नंबर 188 बाग कोठी, भिवानी (हरियाणा) 127021
मोबाइल नंबर : 8059288000
ईमेल : Vijendergafil123@gmail.com

प्रस्तुति :
श्री सचिन मेहता
7988010075

भिवानी के डॉक्टर

डॉ विकास धिकव

वैज्ञानिक -डी (मेडिकल), आई सी एम आर राष्ट्रीय असंचारी क्रियान्वयन अनुसन्धान संस्थान, जोधपुर (राजस्थान)

डॉ. विकास धिकव ने एम. बी. बी. एस. (MBBS) की डिग्री 1998 में पंडित भगवत दयाल शर्मा मेडिकल कॉलेज, रोहतक, हरियाणा से हासिल की और उसके बाद 3 साल तक फार्माकोलॉजी डिपार्टमेंट अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, दिल्ली (AIIMS) से प्रशिक्षण लिया। डॉ. धिकव ने उसके बाद 3 साल तक सीनियर रिसर्च फेलो के तौर पर AIIMS में और 5 साल तक दिल्ली के राम मनोहर लोहिया हॉस्पिटल में काम किया, जिसके बाद उन्हें न्यूरोलॉजी (NEUROLOGY) में मेडिकल पी.एच.डी. (PhD) की उपाधि प्रदान की गई। इसके बाद उनको डिपार्टमेंट ऑफ न्यूरोलॉजी, डॉ. राम मनोहर लोहिया इस्पताल तरफ से कॉर्ग्रेटिव न्यूरोलॉजी में फेलोशिप अवार्ड की गई। डॉ विकास की उपलब्धियां निम्नलिखित है :

1. सरकारी सेवा में आने से पहले देश-विदेश में करीब 100,000 मेडिकल छात्रों को फार्माकोलॉजी के विषय पर लेक्चर्स दिए हैं। मेडिकल रिसर्च के प्रसार और प्रचार के लिए उन्होंने 3 किताबें लिखी हैं, जिनमंच फंडामेंटलस ऑफ बिओमेडिकल रिसर्च 'बेसिक - क्लीनिकल, पिडेमियोलॉजी और टेक्स्टबुक ऑफ़ क्लीनिकल रिसर्च' प्रमुख है।
2. डॉ विकास को 2003 में दिल्ली मेडिकल एसोसिएशन द्वारा एक मेडिकल राइटिंग कम्पटीशन में श्बेस्ट राइटरश् के तौर पर सम्मानित किया गयाए साथ में उन्होंने 2017 में 'बेस्ट मेडिकल टीचर' और 2018 में बेस्ट मेडिकल राइटर का अवार्ड जीता।
3. डॉ विकास ने 100 से ज्यादा शोध पत्र लिखे हैं और डेमेंटिया (Dementia) पे उनके प्रकाशित शोधपत्रों के आधार पर वो भारत के 10 प्रमुख डेमेटिया (Dementia) शोधकर्ताओं में से एक हैं। इन्होने अल्झाइमर डेमेंटिया रोग पर विस्तृत अध्यन किये हैं, जिसमे हिप्पोकैम्पस, जोकि दिमाग का याद्दाश्त के लिए जिम्मेदार हिस्सा है, इसके संकुचन के कारणों पर काम किया है जिसकी वजह से भविष्य में डेमेंटिया यानि भूलने की बीमारी से बचने केउपाय खोजने में आसानी होगी। इसके इलावा डॉ. विकास धिकव योग और संस्कृति से जुड़े रहे हैं और इस विषय में इन्होने 3 अंतराष्ट्रीय अध्ययन प्रकाशित किये हैं जो की विश्व भर में सराहे गए है।

डॉ. विकास को इनके किये गए कार्यों के आधार पर आनेरी प्रोफेसर से सम्मानित किया गया है। उनके द्वारा डेमेंटिया पे लिखी पुस्तक 'केयरिंग एण्ड नर्सिंग इन डेमेंटिया' रोगिओं में काफी प्रचलित है। इसके इलावा न्यूरोलॉजिकल ड्रग्स, क्लीनिकल रिसर्च, ड्रग्स ऑफ चॉइस इत्यादि विषय पर लिखी पुस्तके विद्यार्थिओं में काफी लोकप्रिय है।

तेजस्विनी

डॉ. कल्पना

जिंदगी को सादगी, सरलता सच्चाई से जीती एक शानदार शख्सियत का नाम है डॉ. कल्पना। भारतीय संस्कृति परम्परा व रीति रिवाज को अपने आंचल में समेटे डॉ. कल्पना अपने आस-पास के क्षेत्र में जाना पहचाना नाम है। श्रीमती गिन्नी देवी व श्री श्रीनिवास मयंक की बेटी कल्पना की परवरिश में उनका व्यक्तित्व साफ झलकता है। पेशे से अध्यापक डॉक्टर कल्पना जानी जाती हैं अपने अध्यापन के लिए।

अध्यापन में नवाचार की पद्धति व सरकार के विभिन्न प्रकल्प में इनकी भूमिका सदैव सराहनीय रही है। ग्रामीण अंचलों में अपने कार्यकाल के दौरान पर्यावरण व प्रकृति के प्रति अपने जुनून के चलते डॉक्टर कल्पना ने हजारों पेड़ लगाएं व उनकी परवरिश की। अपने दो प्रतिभावान बच्चों प्रेरणा व वरुण के साथ अपनी खुशहाल जिंदगी जीती। डॉ. कल्पना अपनी सभी सफलताओं का श्रेय अपने जीवनसाथी श्री रमेश कुमार को देती हैं।

श्री रमेश कुमार जी के साथ एक विचार एक मंच से जुड़े डॉक्टर कल्पना आज भी पूरे जिले भर व राजस्थान के कई ग्रामीण अंचलों में वृक्षारोपण तथा पर्यावरण के लिए अनवरत अपना योगदान दे रही है। विभिन्न समाचार पत्रों में अनेक विषयों पर इनके शानदार लेख इनकी साहित्य के प्रति रुचि को प्रदर्शित करते हैं। डॉक्टर कल्पना की लेखनी में पुराने लोकगीत, रीति रिवाज व संस्कार के स्वर साफ सुनाई देते हैं।

हरियाणवी संस्कृति के प्रति लगाव उनके नाटकों, लघुकथा व कहानी में साफ नजर आता है। भिवानी जिले व राजस्थान के कई ग्रामीण अंचलों में उनकी स्वच्छता की पहल सराहनीय रही है। हरियाणा सरकार के विभिन्न कार्यक्रमों में उनकी सक्रियता व शानदार भूमिका को सभी ने सराहा है। विभिन्न सामाजिक संस्थाओं से जुड़ी डॉ. कल्पना ने अपनी गृहस्थी अपने अध्यापन और समाजसेवा में सुंदर सामंजस्य स्थापित किया है। डॉक्टर कल्पना समय-समय पर समाज की विभिन्न संस्थाओं से सम्मानित हुई है। आधुनिकता व प्राचीनता के अद्भुत व्यक्तित्व का नाम है डॉक्टर कल्पना।

प्रस्तुति :
श्रीमती अनिता नाथ
9896517300

मेरी कलम से

वास्तविक आनन्द का आधार खुशी

मंजीत मरवाहा

उदासियों की वजह तो बहुत है इस दुनिया में।
पर बेवजह मुस्कुराने की बात ही कुछ और है।।

खुशी आनन्द की एक अवस्था है। खुशी जीवन का एक तरीका है। सभी खुश रहना चाहते हैं लेकिन उसे पाने में कुछ व्यक्ति ही सक्षम होते हैं। जितना सरल इसे परिभाषित करना है उतना ही मुश्किल इसे प्राप्त करना है। दार्शनिक अरस्तु का मानना है कि खुशी हमारे स्वयं पर निर्भर करती हैं। उसके अनुसार खुशी मानव जीवन का मुख्य उद्देश्य है। बौद्ध धर्म के अनुसार आपके पास क्या है या आप कौन है इस पर खुशी निर्भर नहीं करती। यह केवल इस बात पर निर्भर करती है कि आप क्या सोचते हैं।

खुशी कभी भी बाहरी परिस्थितियों पर निर्भर नहीं करती। खुशी आपके भीतर होती है। अगर हम बचपन से अब तक देखें तो विभिन्न परिस्थितियों में हमारी खुशी होगी। जैसे बच्चों का पढ़ाई में अव्वल आना आपका बिजनेस अच्छा चलना इत्यादि। अगर परिस्थितियां आपके मुताबिक ना हो तो दुखी होना स्वाभाविक है। क्योंकि सभी चीजें आपके मुताबिक नहीं हो रहीं। हम लोगों को अपने मुताबिक नहीं बदल सकते। जिसने दूसरों की खुशी में खुद की खुशी को देखने का हुनर सीखा है। वह इन्सान कभी भी दुखी नहीं हो सकता।

मत छोड़ना किसी को खुशी देने का मौका!
बड़े खुशनसीब होते हैं वो जो दे पाते हैं मुस्कान किसी चेहरे पर।
खुशी का पैमाना सर्वथा अलग होता है।

'खुशी के अपने अपने मायने हैं जनाब एक बच्चा गुब्बारा खरीद कर खुश था तो दूसरा उसे बेचकर' कभी-कभी अमीर लोग सब कुछ होने के बावजूद भी खुश नहीं रह पाते। कुछ गरीब भी जिदंगी में खुश हैं। हमें सिर्फ वस्तुएं पाने से ही खुशी नहीं मिल जाती। ऐसी खुशी क्षणिक होती है। हमें अपना सोचने का तरीका बदलना होगा। पैसा जरुरी है लेकिन हम पैसों से खुशियां नहीं खरीद सकते। खुशी हमारे मानसिक दृष्टिकोण पर निर्भर करती है। खुशी का सम्बन्ध हारमोन से भी है। विज्ञानिकों के मुताबिक हमारे शरीर में चार हारमोन का स्राव होता है। जिससे हमें खुशी का अहसास होता है।

1. **एडोर्फिन** : यह दर्द निवारक है। व्यायाम प्राणयाम योग नृत्य करने से यह हारमोन पैदा होता है यह दृढ़ता और उत्साह पैदा करता है।

2. **सेरोटोनिन** : जब हम निस्वार्थ भाव से दूसरों को फायदा पहुंचाते है तो हमारे अन्दर इस हारमोन का स्राव होता है। यह एंटीडिप्रैसैंट है। अपने स्वार्थों से ऊपर उठकर भलाई का काम करो तो यह हारमोन खुशी प्रदान करता है।

3. **डोपामाइन (मोटीवेशन)** : जिन्दगी में हम छोटे बड़े काम अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए करते है। जब हम कामयाब हो जाते है तो खुशी का अहसास होता है। इस हारमोन का स्राव हमें उर्जा व खुशी प्रदान करता है।

4. **आक्सीटोसिन** : स्पर्श से आक्सीटोसिन का स्राव होता है। जब हम दूसरों के गले मिलते हैं, भावपूर्ण होते हैं तो यह हारमोन खुशी प्रदान करता है। मुन्नाभाई पिक्चर में 'जादू की झप्पी' की सार्थकता इस हॉर्मोन का स्राव में नज़र आती है।

जीवन में कृतज्ञता एवं संतुष्टि की भावना आपको खुशियां प्रदान करेगी।

आपका ध्येय हो-

सवेभवन्तुसुखिनः अर्थात् सब खुश रहें
सरबतदा भला-सभी का भला हो।

दिल से दुआएं निकलें, यही है खुश रहने और खुशी बांटने का तरीका ! मन शांत रखें। अच्छा सोचे, मुस्कुराते रहिए, अच्छी बातें ही याद रखिए मनपसन्द काम करें, संगीत सुने, अच्छी नींद लें, छोटी-छोटी सफलता पर खुशी मनाएँ, व्यायाम करें, सैर करें प्रकृति के नजदीक रहें, पेड़ पौधे उगाएं, मेडिटेशन करें। आप खुश रहेंगे।

खुशी एक खुशबू की तरह होती है,
जब तक हम स्वयं नहीं महकेंगे ।
दूसरों को कैसे महकाऐंगे।
सदा खुश रहिए, मुस्कुराते रहिए।

व्रत-त्योहार जून 2021

- गंगा दशहरा रविवार 20 जून
- निर्जला एकादशी सोमवार 21 जून

राजेश चेतन

चेतन वाणी

मंदिर-मंदिर शीश झुकाया दीदी ने
माँ चंडी का पाठ सुनाया दीदी ने

माँ-बहनों की इज्जत गुंडे लूट रहे
बेशर्मी का रास रचाया दीदी ने

सी.एम. की कुर्सी पाई तो बदल गई
गली-गली में रक्त बहाया दीदी ने

नंदीगांव से जो चुनाव तक हार गई
उस पर भी सी.एम. पद पाया दीदी ने

व्हीलचेयर का सच, सच में नाटक निकला
जीत मिली और पांव घुमाया दीदी ने

बंगभूमि तो 'काश्मीर' बन जायेगी
हर घुसपैठी को भड़काया दीदी ने

राज्यपाल ने समझाया लेकिन फिर भी
लोकतंत्र सूली लटकाया दीदी ने

सेवा समितियां

भिवानी परिवार मैत्री संघ द्वारा संस्था के कार्यों को सुचारू रूप से चलाने के लिए जिन समितियों का गठन किया गया था उनका विवरण इस प्रकार है।

1. डी.डी.ए. प्लॉट समिति : श्री अरविंद गर्ग, 9811757577
2. बिजनेस पाठशाला : श्री हंसराज रल्हन, 9212163340
3. संविधान समिति : श्री दिनेश गुप्ता, 9810003215
4. बधाई एवं संवेदना संदेश समिति : श्री हरिकृष्ण अग्रवाल, 9873238530
5. 24 x 7 हेल्थ हेल्प लाईन : श्री पवन मोडा, 9350461306
6. अपना घर आश्रम समिति : श्री सांवरमल गोयल, 9990541122
7. शिक्षा बैंक : श्री पंकज गुप्ता, 9654909070
8. नेत्रदान-देहदान समिति : श्री एन.आर.जैन, 9711917855
9. वैब पोर्टल : श्री प्रमोद शर्मा, 9868162572
10. कृत्रिम अंग सेवा समिति : श्री नवीन जयहिंद, 9313581995
11. आपदा राहत समिति : श्री दिनेश गुप्ता, 9810003215
12. रोजगार समिति : श्री सुशील गनोत्रा, 9899454931
13. विवाह सुझाव एवं मैटरीमोनियल समिति : श्री विनय सिंघल, 9999190575
14. जल सेवा समिति : श्री हरिकृष्ण अग्रवाल, 9873238530
15. पर्यटन समिति : श्री मनीष गोयल, 9811195512
16. यू-ट्यूब समिति : श्री राजेश चेतन, 9811048542
17. वस्त्र एवं औषधि संग्रहण समिति : श्री गोविंदराम अग्रवाल, 9312923340
18. वरिष्ठ नागरिक मनोरंजन केन्द्र (लाइब्रेरी) : श्री विनय सिंघल, 9999190575
19. हमारा बुक बैंक समिति : श्रीमती पूजा जैन, 9212232753

अगर आप भी इनमें से किसी समिति से जुड़ना चाहते है या अपने सुझाव देना चाहते है तो आप समिति के संयोजक से संपर्क कर सकते है।